लक्ष

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)

प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),

ह्रसवा,फ़तेहपुर

Kudumbashree National Resource Organisation

मार्च - सितम्बर २०२१

अप्रैल से सितंबर की प्रगती

शुरूआती ग्रामीण उदयमिता कार्यक्रम (SVEP)
प्रखंड संसाधन केंद्र (BRC),
नजीबाबाद,बिजनोर

संयोग
लक्ष्य सामुदायिक संसाधन व्यक्ती उद्यम संसाधन समुह
प्रखंड संसाधन केंद्र.,ह्रसवा

आक्टोबर 2021

भाग 1
संक्षिप्त विवरण

Target		Achievement	
Target for 4 years	1,317	Cumulative Achievement	452
Target 2021-22	395	Achievement 2021-22	252
New Target	988	New	363
Existing Enterprises	329	Achievement (EE)	89

Household Consumption	867	Achievement (HC)	422
Government Sector	34	Achievement (GS)	29
Sub-sector	87	Achievement SS	29

Male	194	Female	258
Individual	423	Group	29
Number of Entrepreneurs Avail CEF	34		
Number of Active CRP-EP	20		

	Block	Trading	Service	Manufacturing
1.	Haswa	236	165	51

व्यावसायिक क्षेत्र से वर्गीकरण

जातीवार वर्गीकरण

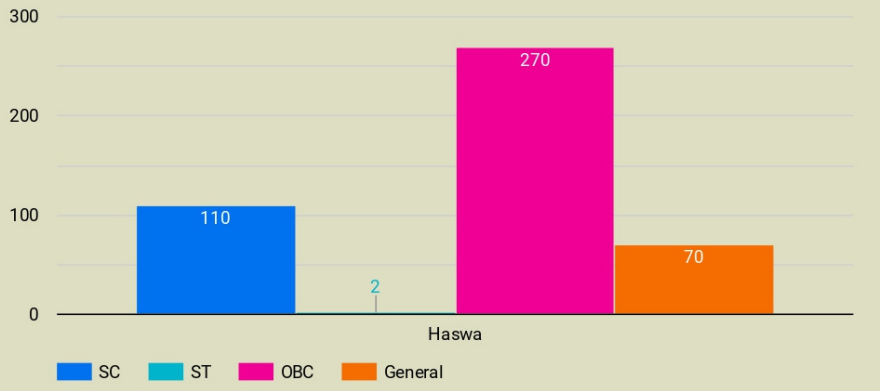

भाग 2
उद्यम संवर्धन

परियोजना अनुमोदन समिति (PAC) की बैठक

एप्रिल से सितम्बर 2021 तक एस॰वी॰ई॰पी॰ - बी॰आर॰सी॰ कार्यालय हसवा में 5 परियोजना अनुमोदन समिति की बैठक करायी गयी । इन बैठक में बी॰ई॰पी॰सी॰ के सदस्य के साथ ही एस॰वी॰ई॰पी॰- बी॰एम॰एम॰ और मेंटर भी उपस्थित थे। इन बैठक में सी॰आर॰पी॰- ई॰पी॰ द्वारा बनाये गये 252 व्यापार योजना को स्वीकृति समिति के प्रत्यक्ष रखा गया । अनुमोदन समिति के सदस्य द्वारा उद्यमी के साक्षात्कार लेकर, उद्यम, उद्यमी और उद्यम परियोजना के सम्बंधित पूरी जानकारी लेकर इसे स्वीकृत किए गए। इन बैठक में कुल 34 उद्यमीयों को सात लाख पचास हज़ार रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है । जिसमें चाय की दुकान, चूड़ी बनाना , झाड़ू बनाना, किराना, सिलाई , लेडीज़ शोपि, नमकीन की उत्पाद , परिवहन सेवा, पथर की वस्तुओं का उत्पाद , कपड़े का व्यापार जैसे भिन्न - भिन्न व्यापार स्वीकृत किए गए है 1 इन उद्योमियोँ से कुछ प्रवासी मज़दूर के रुप मे काम करते थे वह आज अपने घर मे दुकान चलाकर 200 से 300 रुपए प्रतिदिन कमा रहे हैं।

राखी और ब्रेसलेट का प्रशिक्षण

ब्लॉंक में बी॰आर॰सी॰ के कार्यालय में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 10 महिला उद्यमियों को राखी और ब्रैसलेट बनाने का चार दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 13 अगस्त 2021 से 16 अगस्त 2021 तारीख़ को हसवा की समूह दीदियों द्वारा दिया गया। दीदियों ने उद्यमियों को अलग-अलग सामग्री से नए –नए रखी के डीजाईने बनाने को सिखाया| ग्रामीण क्षेत्र के लोगोँ विशेश रुप से माहिलाओ को आर्थिक सशक्त करने के लिये एसवीईपी परियोजना अन्तर्गत कौशल विकास का कार्यक्रम आयोजित किया था। रक्षा बंधन को मद्दे नजर रखते हुये सम्पुर्ण खंड विकास से 10 दिदिओ को राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया । जो आज कि तिथि को आपने राखी के दुकान को श्रिंगार दुकान में बदल दिया हैं और प्रत्येक दिन 100- 150 रुपए कमा रहे हैं ।

चूड़ी बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉक में बी॰आर॰सी॰ कार्यालय परिसर में में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 3० महिला उद्यमियों को चूड़ी निर्माण का सात दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया. | इस प्रशिक्षण में १५ से अधिक गाव के 3० महिला उद्यमियों ने भाग लेकर चूड़ी के और कंगन के अलग अलग डिज़ाइन बनाना सिखा | यह प्रशिक्षण ब्लॉक में कौशल्या आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने और समूह की दीदियों को स्वयं रोज़गार से जोड़ने के उद्देश दिया गया. यह प्रशिक्षण बिहार से आए हुये प्रशिक्षक आसिफ राजा और सम्मा जफरीं ने दिया | सभी दीदियों को अलग अलग समान का इस्तमाल करके कंगन बनाने की बारीकियाँ सिखाया | प्रशिक्षण समापन के दिन सभी को प्रमाण पत्र दिया गया ।

झाड़ु बनाने का प्रशिक्षण

ब्लॉक के बीआरसी कार्यालय में एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत समूह की 25 महिला उद्यमियों को झाड़ु बनाने का चार दिवसीय ग़ैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण 28 सितम्बर 2021 से 01 अक्टूबर 2021 तारीख़ को फ़तेहपुर के प्रशिक्षक द्वारा दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र के लोगोँ विशेश रुप से माहिलाओ को आर्थिक सशक्त करने के लिये एसवीईपी परियोजना में कौशल विकास प्रशिक्षण का एक कार्यक्रम रखा गया था। घरेलू जरुरत और ब्लॉक में बनाए गए समुदायिक शौचालय को मद्दे नजर रखते हुए ब्लॉक के 25 दिदिओ को झाड़ु बनाने का प्रशिक्षण दिया गया ।

अमृत महोत्सव का आयोजन

ब्लॉक में बी॰आर॰सी॰ कार्यालय की और से 6 सितम्बर से 12 सितम्बर तक एस॰वी॰ई॰पी॰ परिजोयजना के अंतर्गत आज़ादी के ७५ साल पूरे होने के ख़ुशी में आज़ादी का अमृत मोहोस्तव मनाया गया । महोत्साव की तैयारी और प्रचार-प्रसार व्यापक रुप से किया गया । 25 अगस्त 2021 को बीईपीसी के बैठ्क मे महोस्तव के बारे में चर्चा करके बीआरसी के बैठक पंजी मे प्रस्ताव पारीत किया गया । 1 सितंबर 2021 को नोडेल संकुल संघठन में संकुल के सदस्य एंव कैडर के विशेष बैठ्क करके महोत्साव के बारे में जानकारी दिई गई । 2 सितंबर 2021को प्रगति ग्राम संगठन कुसुमभी की बैठक मे महोत्साव पर चर्चा कि गयी। उसके बाद कृष्णा संकुल संघठन मुरंव में संकुल के सद्स्य और कैडर के विशेष बैठ्क कराके महोत्साव के बारे में जानकारी देके चर्चा किइ गयी । 7 सितंबर 2021 को अमृत महोत्सव काकार्यक्रम बीआरसी कार्यालय में कराया गया। इस कार्यक्रम में पीएसी की बैठक करके कुल 60 व्यापार पारित किये गए और कुल 29 उद्यमों को 755000 का ऋण स्वीकृत किया गया । अमृत महोत्सव के अवसर पर बीआरसी द्वारा दिए गए कौशल्या विकास प्रशिक्षण के प्रशिक्षणार्थीओँ को प्रमाणित किया गया ।

भाग 3
क्षमता विकास

बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षण

24 अप्रैल 2021 को कुदुम्बश्री एनआरओ की उत्तर प्रदेश टीम ने एन॰आर॰ओ॰ क़े 4 ब्लॉक के बीआरसी के लेखाकारों का ऑनलाइन प्रशिक्षण किया। प्रतिभागियों में एन॰आर॰ओ॰ के एस॰पी॰सी॰, एफ़॰सी॰, बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद के मेंटर प्रशिक्षक के रूप में शामिल हुए, तथा नजीबाबाद, हसवा, नारायणी और थेकमा ब्लॉक के बीआरसी लेखाकार प्रशिक्षणार्थी रूप में शामिल थे। प्रशिक्षण का उद्देश्य लेखाकारों को एसवीईपी परियोजना में उनकी भूमिका, एसवीईपी में शामिल लेखा प्रक्रिया और एसवीईपी परियोजना के तहत अभिलेखों की पुस्तकों के बारे में शिक्षित करना था। नजीबाबाद और बीएपी के संरक्षक प्रशिक्षण के लिए प्रमुख प्रशिक्षक थे, जबकि कुछ सत्र एफ़॰सी॰ और एस॰पी॰सी॰ द्वारा भी किए गए ।

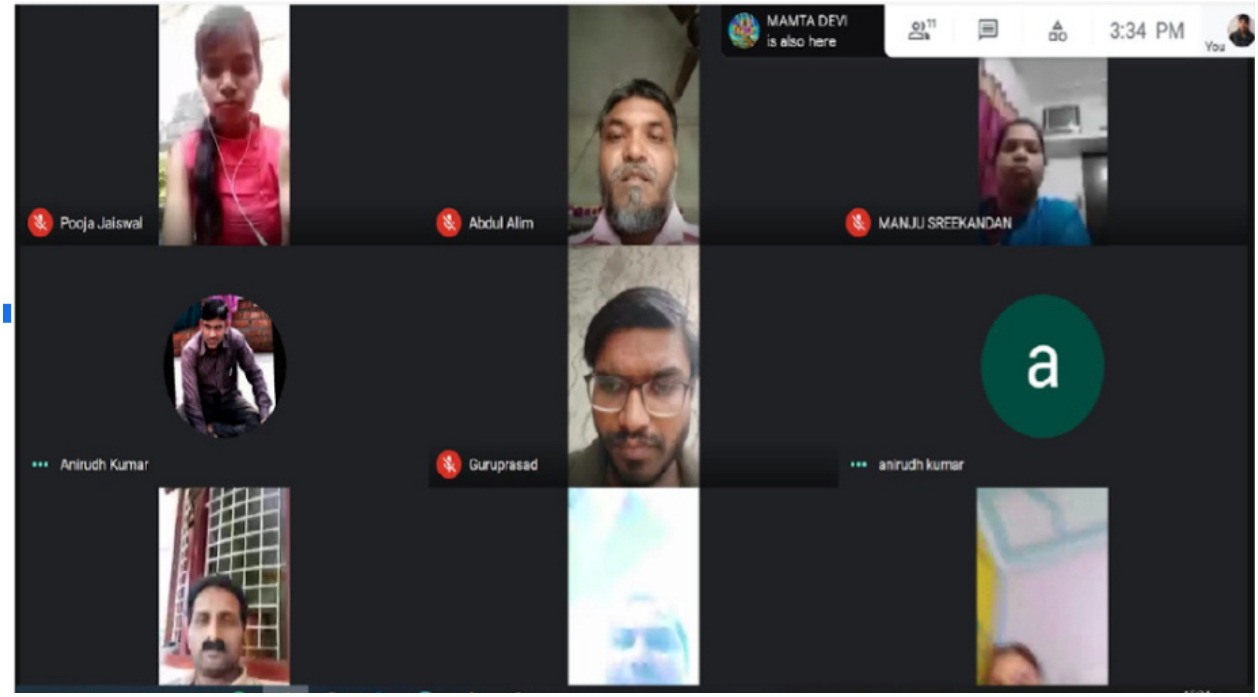

यह आठ दिनों तक चलने वाला एक प्रशिक्षण कार्यक्रम था जिसमें लेखाकारों की लेखा क्षमताओं को बढ़ाने पर **बल** दिया गया था। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम में सिद्धांत और अभ्यास दोनों सत्र शामिल थे। सीखने की प्रक्रिया की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए, लेखाकार के संदर्भ के लिए पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन और रिकॉर्ड की सॉफ्ट कॉपी सैंपल टेम्प्लेट बनाए गए, और यह सुनिश्चित किया कि वे असाइनमेंट में इसका पालन करें।

सी.बी.ओ. उन्मुखीकरण एवं ट्रिगरिंग, जी.ओ.टी. और ई.पी.डी. का पुनश्चर्या प्रशिक्षण

C

ब्लॉक के लक्ष सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ समूह को गूगल मीट के माध्यम से ऑनलाइन तरीके से स्वयं सहायता समूह, ग्राम संघटन संकुल स्तरीय संगठन उन्मुखिकरन प्रशिक्षण दिवसीय गया. यह प्रशिक्षण में ब्लॉक के मेंटर एक प्रशिक्षक की भूमिका निभायी. सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ दीदियों ने बताया की उनके लिए यह सीखने का अच्छा अनुभव था। प्रत्येक सत्र को काफ़ी बारीकियों से सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ को समजाया गया. साथ ही में आई॰ई॰सी॰ मटेरियल उपयोग क्षेत्र किस प्रकार से करना है और क़ोनसा आई॰ई॰सी॰ किस सत्र में उपयोग करना है वह भी सिखाया गया। इस प्रशिक्षण में एफ़॰सी॰ एव बी॰ए॰पी॰ का भी मार्गदर्सन प्राप्त हुआ।

एस.वी.ई.पी. एप्प का प्रशिक्षण

जलाई महीने के हर रविवार को एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प का ऑनलाइन प्रशिक्षण ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड के मेंटर को दिया गया । यह प्रशिक्षण एन॰आर॰ओ॰ की बी॰ए॰पी॰ और नजीबाबाद मेंटर के द्वारा दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश था कि ठेकमा, नरैनी और हसवा प्रखंड में एस॰वी॰ई॰पी॰ एप्प के बारे में मेंटर और सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ का उन्मुखिकरन करके , जल्द से जल्द एप्प में कि काम शुरू करना । मेंटर का प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद यह सी॰आर॰पी॰-ई॰पी॰ समूह को दिया ग़या। इस प्रशिक्षण में डाटा संग्रह करने के लिए सी॰आर॰पी॰ ई॰पी॰ पंजीकरण , सी॰आर॰पी॰ - ई॰पी॰ को गाँव नामांकित करना, मेंटर, बी॰एम॰एम॰ की टिप्पणी, बी॰आर॰सी॰ द्वारा अनुमोदन , उद्यमी पंजीकरण और संभावित उधमी का व्यापार योजना कैसे बनाये यह बिंदु सिखाए गए। यह प्रशिक्षण के बाद सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ की यूज़र आई॰डी॰ तयार कर उनको भी इसके बारे में सिखाया गया । आनेवाले समय सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ इस एप्प में काम करना शुरू करेंगे।

प्रदर्शन ट्रैकिंग प्रणाली प्रशिक्षण

ब्लॉक में २५ और २६ जुलाई २०२१ को बी॰आर॰सी॰ कार्यालय हसवा मे एस॰वी॰ई॰पी॰ परियोजना के लक्ष सी॰आर॰पी॰-ई॰पी॰ समूह हसवा के २० सदस्यों को प्रदर्शन ट्राकींग प्रणाली का २ दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया 1 इस प्रशिक्षण का उद्देश्य सीआर-ईपी समूह को उद्यम के डे बुक का अध्ययन करने, लाभ और हानि, स्टॉक सामग्री, क्रेडिट बिक्री और अन्य खर्चों जैसे उपयुक्त डेटा एकत्र करके, उद्यम की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए प्रशिक्षित करना था । सी॰आर॰पी॰ई॰पी॰ को पीटीएस के आधार पर परामर्श सेवाएं करने पर भी प्रशिक्षित किया गया । इस प्रशिक्षण में एन॰आर॰ओ॰ के बी॰ए॰पी॰ ने प्रशिक्षक के रुप में उपस्थित थे और हसवा ब्लॉक के मेंटर प्रशिक्षण के सुचारु संचालन हेतु तत्पर रहे। प्रशिक्षण में सभी सी॰आर॰पी॰-ई॰पी॰को 3 प्रकार के व्यापार के दैनिक पंजी दे कर पी टी एस बनाने दिया और सभी को असाईन्मेन्ट भी दिया गय़ा। यही प्रक्रिया दूसरे दिन भी रहा। आज की तिथि को अधिकतम सी॰आर॰पी॰आर॰पी॰ इस काम अच्छे से कर रहे हैं और 350 उद्योम के पी टी एस लगातार आ रहा हैं.

बी.ई.पी.सी. इक्स्पोज़र विज़िट

4 अगस्त 2021 को, आठ बीईपीसी सदस्यों, बीपीएम और मेंटर हसवा, जिला फ़तेहपुर ने बिजनौर जिले के नजीबाबाद ब्लॉक के एक्सपोजर दौरे के लिए अपनी यात्रा शुरू की। एसवीईपी-बीआरसी, नजीबाबाद कुदुम्बश्री एनआरओ के तहत एसवीईपी कार्यक्रम में बेहतरीन और सबसे पुराने बीआरसी में से एक है। एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य एक दूसरे के साथ बातचीत करना और सीखना था, जिससे बीईपीसी सदस्यों को क्षेत्र से सर्वोत्तम प्रथाओं को देखने और अपने ब्लॉक में परियोजना के कार्यान्वयन में उनका उपयोग करने की संकल्पना मिले । बीईपीसी सदस्यों को मेंटर, बीपीएम-एसवीईपी और कुडुम्बश्री एनआरओ के एफ़सी द्वारा सहायता प्रदान की गई । यह छह दिवसीय कार्यक्रम (यात्रा के दिनों सहित) था जिसमें बीईपीसी सदस्यों की क्षमता के निर्माण पर ज़ोर दिया गया था। दौरे के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियां डीसी-एनआरएलएम, बीपीएम, बीईपीसी और सीआरपी-ईपी समूह के साथ बातचीत, एसवीईपी दिशानिर्देशों पर सत्र, एसवीईपी-बीआरसी हितधारकों की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां, बीईपीसी के साथ ऋण चुकौती और पुनर्भुगतान ट्रैकिंग पर सत्र थे। , एसवीईपी लघु, और मध्यम उदयमों का दौरा, बीआरसी बैठक, पीएसी बैठक, और बीआरसी नजीबाबाद टीम के साथ सीखी गईं बातो पर चर्चा।

भाग 4
गैलरी

उद्यमिता विकास कार्यक्रमों की तस्वीरें

क्षेत्र में.आई.ई.सी. मटेरीयल का उपयोग करती हुए सी.आर.पी.ई.पी.

बी.ई.पी.सी. की बैठक में उपस्थित डी.सी. एन.आर.एल.एम.

सी.आर.पी.ई.पी. और बी.ई.पी.सी. की बैठक की तसवीरे

भाग 5
प्रेरणा (सफलता की कहानी)

नाम:- कमलेश
पोस्ट :- छिछनी
समुह :- जय माता दी
संकुल संगठन : वसुंधारा
समुह सदस्य का नाम:- मीना देवी

बिलारिमाऊ गांव में 51 वर्ष के कमलेश नाम के एक दिव्यांग व्यक्ति रहते हैं । दिव्यांग होने के कारण बचपन से ही वह अपने पिता-माता, भाई –बहन पर आश्रित थे । अपना जीवन परिवार के सहारे गुजारते थे। इस कारण से उन्होंने अपनी पढाई भी प्राथमिक शिक्षा के बाद छोड़ी थी । कमलेश को जब जीवन साथी की जरुरत महसूस हुई तब माता पिता ने पास के गांव रमवा में मीना नामक लड़की से शादी कर दी गई । शादी के बाद कमलेश को 2 बच्चे हुए ओर उनका परीवार मे 4 सदस्य हो गये। परिवार मजदुरी पर निर्भर होने के कारण कडी आर्थिक कठिनाईयो से गुजर रहा था ।

कमलेश की पत्नी 2016 से ग्रुप से जुड़ी थीं। एक दिन ग्रुप मीटिंग में कमलेश को सीआरपीईपी मिथलेश से एसवीईपी की जानकारी मिली। मीना देवी को व्यापार की बातें अच्छी लगीं और उन्होंने अपने पति से इस पर चर्चा की। यह बात पति कमलेश को भी पसंद आई। कमलेश और उनकी पत्नी ने सीआरपीईपी से एक व्यवसाय खोलने के बारे में चर्चा की और बीआरसी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के बारे में जाना। कमलेश ने उनकी क्षमता को जाना और पहचाना और अपना उद्यम शुरू करने का फैसला किया।

मीना देवी ने एक दिन सीआरपीईपी को अपने घर बुलाया और कारोबार शुरू करने के अपने फैसले के बारे में बताया। सीआरपीईपी ने बीआरसी से कराए जाने वाले ट्रिगरिंग, जीओटी और ईडीपी प्रशिक्षण के लिए कमलेश का नाम लिया और प्रशिक्षण प्रक्रिया को पूरा किया। प्रशिक्षण के बाद कमलेश ने अपनी जमा राशि का निवेश कर 05/03/2021 को अपने घर में किराने की दुकान शुरू की। आज की तारीख में पति-पत्नी एक साथ अपनी दुकान चला रहे हैं । जिससे प्रतिदिन 300-400 का आय हो रहा है, और अपना जीवन थोड़ा आसान कर रहे हैं।